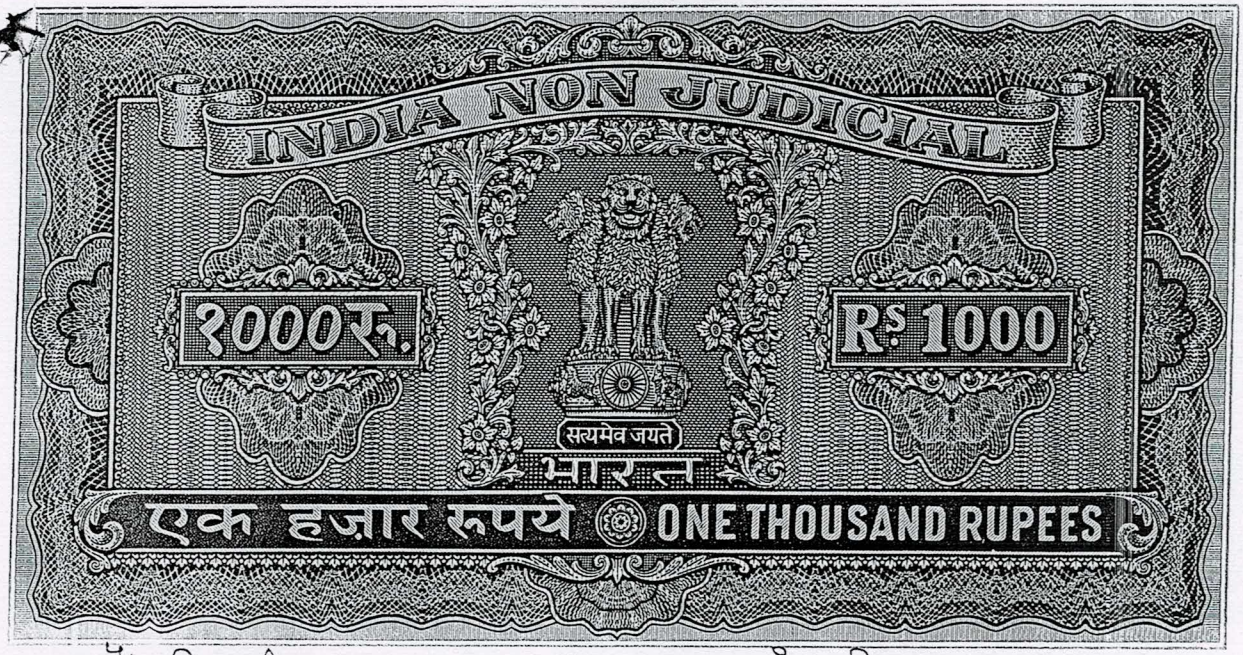

रु. 004360 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

सैंतालिस फीट तथा पूरब पश्चिम उत्तर से दक्षिण १४'६" चौदह फीट छौ इंच है, इसब तसरीह जैल वाके मौजा रेड़मा थाना डालटनगंज जिला पलामू सब रजिस्ट्री वो जिला रजिस्ट्री ऑफिस मोकाम डालटनगंज हकियत रैयती का पार्ट होल्डींग बिक्रि करते हैं जो नगरपालिका क्षेत्र वार्ड न. १७ के अन्तर्गत है। वसीका के साथ नक्शा संलग्न है जिसमें बिक्रि सम्पत्ति हरा, पीला वो लाल रंग से दिखाया गया है जो असल दस्तावेज और द्वितिय प्रति के साथ एक-एक अलग नत्थी है जिसे वसीका का अंश समझा जायेगा।

थाना न. तौजी न. होल्डींग न. म्युनिसपल हो. न.
१८८ ६१/2B २६६/III ५४७

सर्वे खतियान फटा हुआ है इसलिए खाता नम्बर नहीं दिया जा रहा है।

प्लौट न. रकबा बिक्रि रकबा
ए. डी. ए. डी.
२६५६ ०.१४ में से ०.३½
छब्बीस सौ
उनसठ

चौहद्दी सम्पत्ति

उत्तर → बीज विक्रेता
दक्षिण → बीज विक्रेता
पूरब → इस्लामपुर रोड
पश्चिम → मोहन मिस्त्री

जमा ३½ डी. साढ़े तीन डी. जमीन मय मकान अपना वो पक्का बिक्रि करते हैं।

[illegible]

[illegible]

४ 004361 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

नाममालिक: झारखंड सरकार वजरिए सी॰ओ॰
सदर [illegible]

मालगुजारी: मो॰बलीग 1.50) रुपये सलाना।

विदित हो कि हराजी 14 डीस॰ जमीन जिसका हिन्दी नाप करीब पौने चार कट्ठा जमीन होता है, जो मेरे परदादा बितन साव ने मुतपूर्व जमींदार प्रताप तिवारी से वजरिए पट्टा मौखरी से हासिल किया था जिसपर वे काबिज दाखिल रहकर एकमात्र लड़का मोदा साव को छोड़कर कजा कर गये वो मोदा साव भी अपने तीन लड़का यानि मेरे पिता दुर्योधन साव वो रामनन्दन साव को शिवनन्दन साव को छोड़कर कजा कर गये वो मेरी माँ मुझे बचपन में ही छोड़कर कजा कर गयी। मेरी माँ के मृत्यु के बाद मेरे पिता दूसरी शादी कर लिये। मेरा पालन-पोषण ठीक से नहीं होता देखकर मेरे दादा मोदा साव अपने साथ रखकर पालन-पोषण करने लगे। मैं भी उनका सेवा-टहल वो देखभाल करता रहा। मोदा साव के बुढ़ापे वो जीवन-काल तक मैं निःस्वार्थ भाव से उनके कहे अनुसार तत्पर रहा जिससे मोदा साव काफी खुश वो सन्तुष्ट रहकर समुलह जमीन में से चौथाई भाग यानि 3½ डीस॰ साढ़े तीन डीस॰

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND 927288

सही- सुनील तिवारी -
ता० 25-5-2011

विनय कुमार पाण्डेय
No-143/08

सही:- अतुल तिवारी ता:- 25-5-11

विनय कुमार पाण्डेय

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

927289

झारखण्ड JHARKHAND

प्रमाणित किया जाता है कि दस्तावेज में लगे सभी व्यक्तियों के फोटो तथा बायें हाथ के अंगुलियों के निशान मेरे सामने लिया गया है। का० विनय कुमार पाण्डेय लाईसेंस नं०- 145/03 मेदिनीनगर

कातिब: विनय कुमार पाण्डेय दस्तावेज लिपिक मेदिनीनगर केवाला लिखा व मजमून पढ़कर फरीकैन को सुना दिया।

ता: २५-५-२०११ ई०

000253

5000Rs.

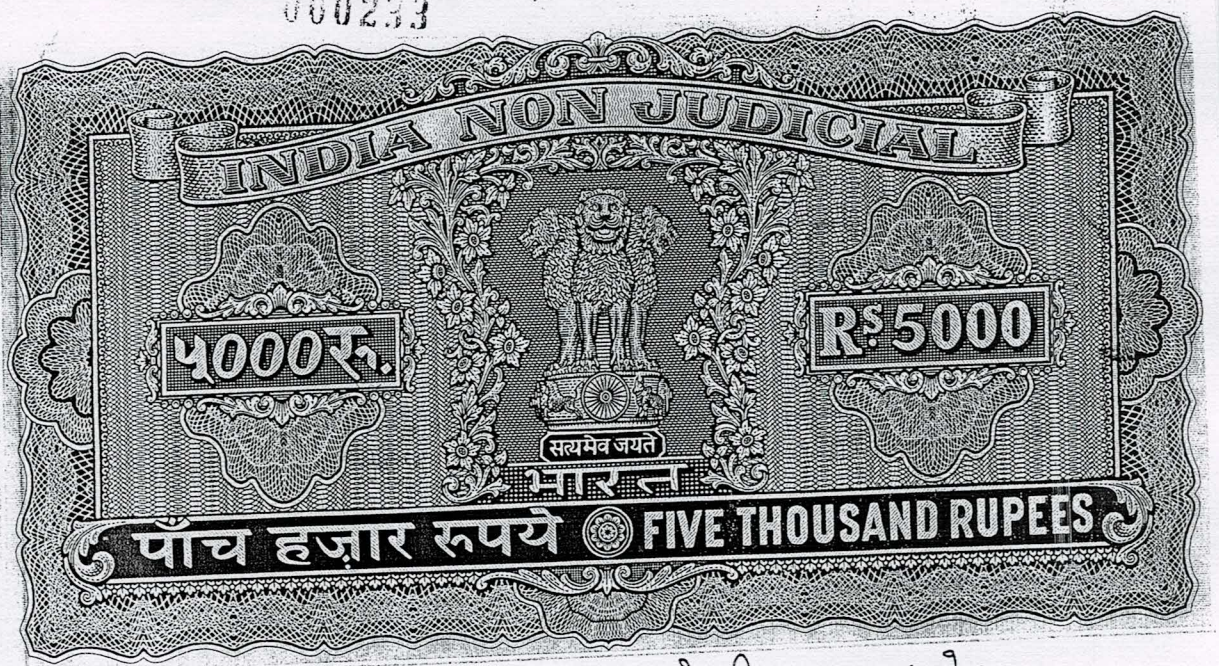

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

४. मुल्य कैस: मो॰ बलीग 350000/- साढ़े तीन लाख रूपये

सरकार द्वारा निर्धारित मालियत: मो॰ बलीग 375000/-

तीन लाख पचहत्तर हजार रूपये।

५. सम्पत्ति: मवाजी 3½ डीसमील साढ़े तीन डीसमील जमीन जिसके उपर पक्का मकान एकतल्ला 275.5 वर्ग फीट (दो सौ पचहत्तर दशमलव पांच) है जो नक्शा में हरा रंग से दिखाया गया है जिसका लम्बाई पूरब से पश्चिम 19' (उन्नीस) फीट तथा चौड़ाई उत्तर से दक्षिण 14' 6" चौदह फीट छह इंच है वो कच्चा मकान 447.37 वर्ग फीट (चार सौ सैंतालिस दशमलव सैंतिस) जो नक्शा में पीला रंग से दिखाया गया है जिसका नापी तीन टुकड़ा में है पहला टुकड़ा का पूरब से पश्चिम लम्बाई 14' चौदह फीट तथा चौड़ाई उत्तर से दक्षिण 14' 6" चौदह फीट छह इंच तथा दुसरा टुकड़ा पूरब से पश्चिम 7' 9" सात फुट नौ इंच तथा उत्तर से दक्षिण 14' 6" चौदह फीट छह इंच एवं तीसरा टुकड़ा पूरब से पश्चिम 16' 6" सोलह फीट छह इंच तथा उत्तर से दक्षिण 8' आठ फीट है। खाली जमीन 800.5 वर्ग फीट (आठ सौ दशमलव पांच) जो नक्शा में लाल रंग से दिखाया गया है जिसका नापी दो टुकड़ा में है पहला टुकड़ा पूरब से पश्चिम लम्बाई 16' 6" सोलह फीट छह इंच तथा उत्तर से दक्षिण चौड़ाई 6' 6" छह फीट छह इंच तथा दुसरा टुकड़ा पूरब से पश्चिम लम्बाई 47'

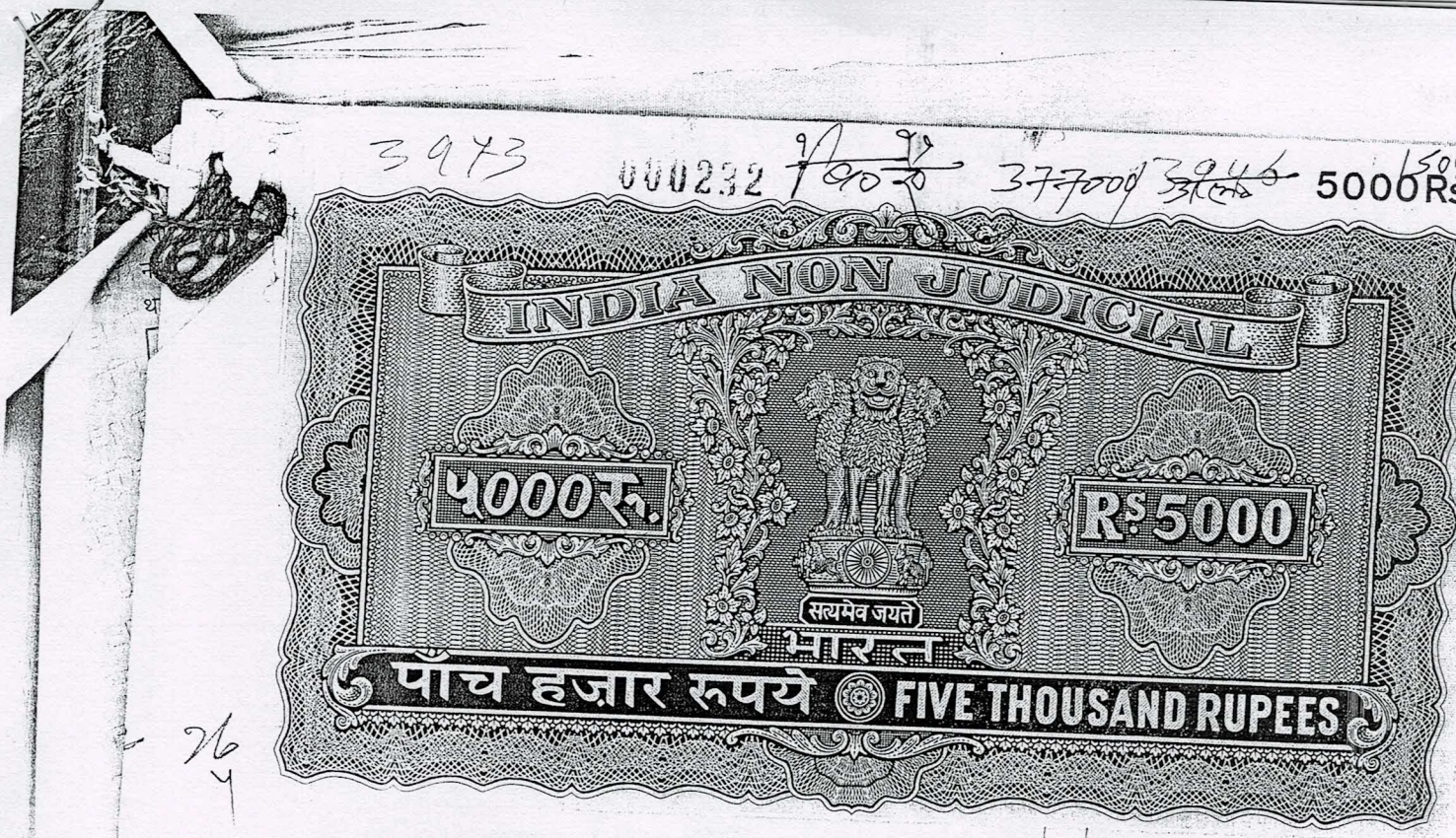

3973

000232 [illegible] 377000 [illegible] 5000Rs

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

26/4

रु० 37700
[illegible] 5470
[illegible] 2-50
[illegible] 0-94
3827-74

2-5-05

1. लेख्यकारी: श्री गणेश साव
वल्द स्व० दुर्योधन साव जाति तेली
साकिन रेड़मा पोस्ट डालटनगंज
जिला पलामू पेशा - दुकानदारी (भारतीय)।
शपथ पत्र सं- 220 ता० 02/5/05.

2. लेख्यधारी: (1) श्री सुनील तिवारी
(2) श्री अनिल तिवारी
पेसरान स्व० रामधनी तिवारी जाति
ब्राह्मण साकिनान मौजा रेड़मा थाना
वो पोस्ट डालटनगंज जिला पलामू
पेशा:- खेती (भारतीय)।
शपथ पत्र सं- क्रमशः 221, 222 ता० 02/5/05

3. लेख्यप्रकार: निर्विवाद विक्रय-पत्र (केवाला)

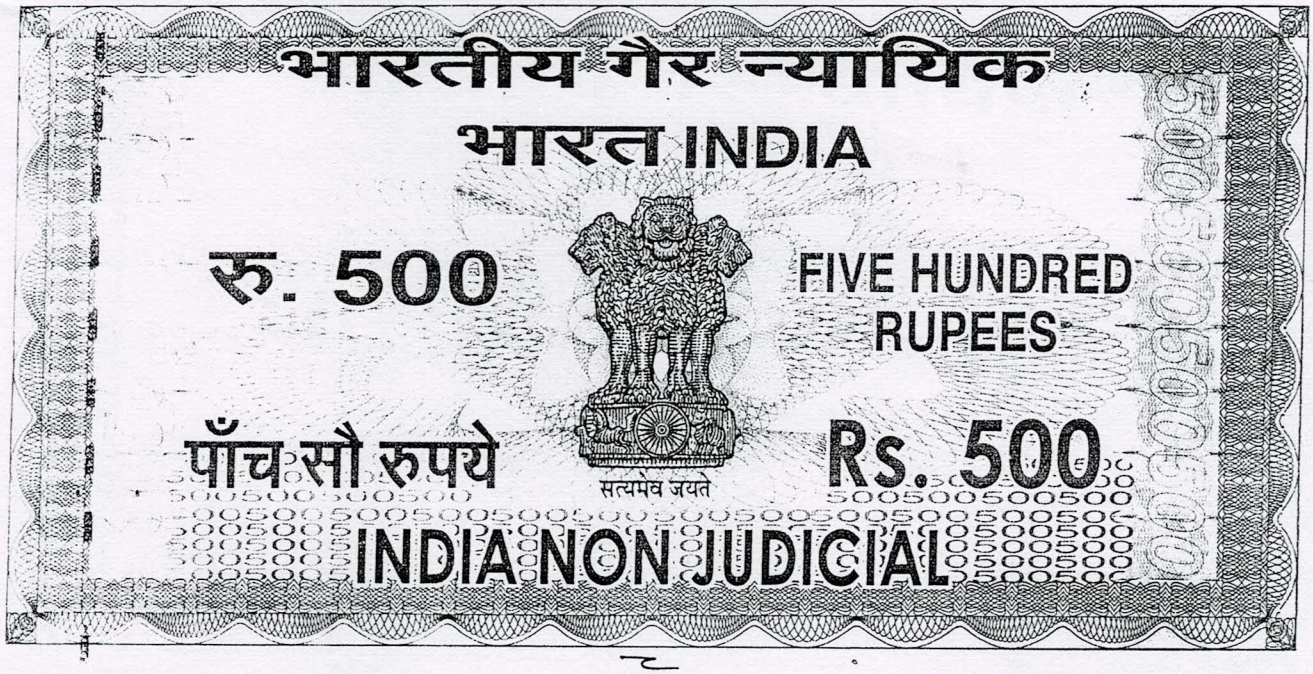

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये सत्यमेव जयते Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND 927287

अपना इनाम से जिलाफ्ड कोलवाले रसीद साल ब साल हासील किया करें इसमें हम विक्रेता मय वारीसान के कोई हक दावा या अधिकार वास्ता वा सरोकार नही है वो न भविष्य में रहेगा।

अतः अपनी राजी खुशी से भरीर वो मन की पूर्ण स्वतंत्रता में रहकर सारी बातों को सोच समझकर यह विक्रय पत्र केवाला लिख दिया की समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

आज ता॰ २५-५-२०११ ई०

[illegible]

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

927286

झारखण्ड JHARKHAND

की सम्पति का रखने का प्रबन्ध बाब
अपने पास से नही हो सकता अतः
उक्त सम्पति जो खाता संख्या 5 में
वर्णित है बिक्री करने का चर्चा, ऐलान
किया जो क्रेतागण इस बात को सुने
वो उक्त सम्पति अपने लाभ में
समझकर खरीदने को आमादे वो
तैयार हुए बात तय वो पक्का किया
तथा जरे समन का कुल रकम
अग्रीम निबंधन के एक मुस्तयुक्ता
वसुल पाकर उक्त भूमि मय मकान
जो पक्का एवं कच्चा खपड़ैल है को
बदस्त क्रेतागण के हाथों बिक्री किया
तथा सारा हक सौंप दिया।

अब चाहिए कि क्रेतागण
उक्त खाता संख्या 5 पांच कि
सम्पति पर दखल कब्जे में रहकर
मनचाहा उपयोग में लावे वो

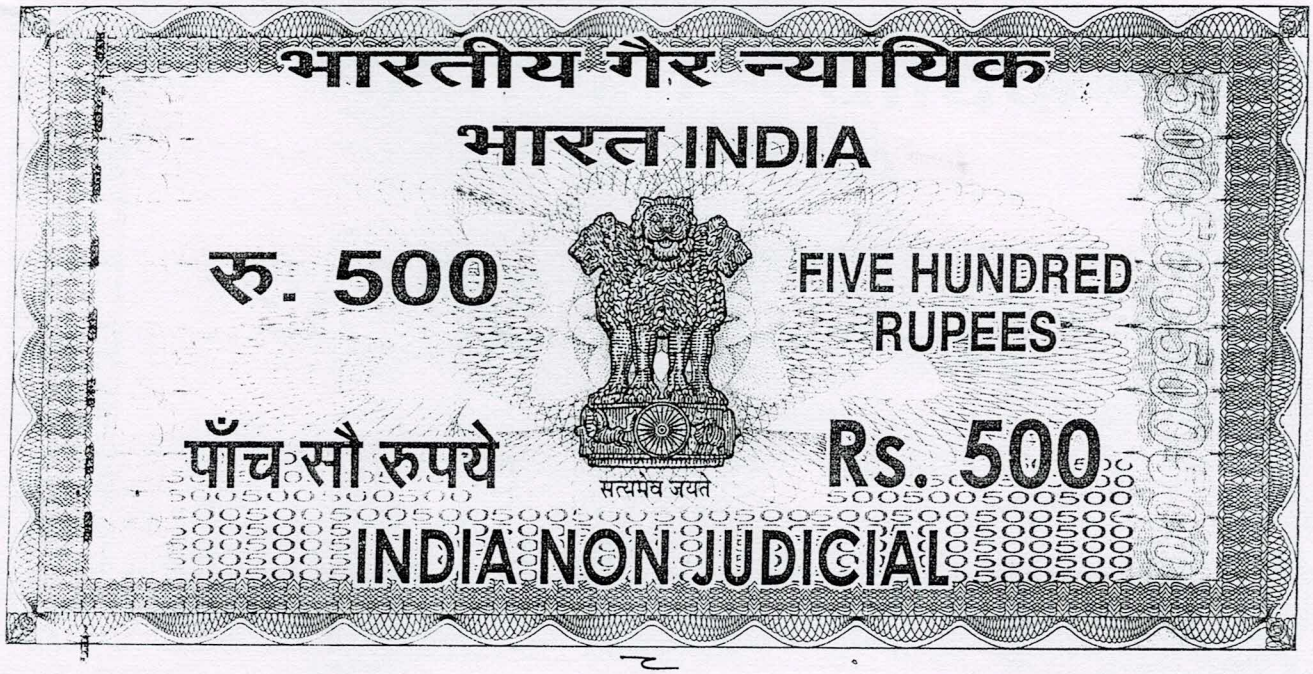

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

सत्यमेव जयते

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND 927287

अपना इनाम से जिनाफा खोलवा के रसीद साल व साल हासील किया करें इसमें हम विक्रेता मय वारिसान का कोई हक दावा या अधिकार बाकी वो सरोकार नही है वो न भविष्य में रहेगा।

अतः अपनी राजी खुशी से शरीर व मन की पूर्ण स्वतंत्रता में रहकर सारी बातों को सोच समझकर यह विक्रय पत्र केवाला लिख दिया कि समय पर काम आवे व प्रमाण रहे।

आज ता। 25-5-2011 ई०

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

पाँच सौ रुपये Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

६

927043

झारखण्ड JHARKHAND

के द्वारा पा० सुट न० १०६ सन २००२
फैसला तारीख ३०-५-२००२ के द्वारा
विक्रेता को तखते में प्राप्त है. तखते में
विक्रेता को मवाजी ०.०४½ साढ़े चार
डीसमील जमीन प्राप्त था जिसमें से
मवाजी ०.०३½ साढ़े तीन डीसमील
जमीन पूर्व में विक्रेता ने क्रेता के हाथों
बिक्री कर चुके हैं. मवाजी ०.०१ एक
डीसमील जमीन बचा हुआ था
जिसपर विक्रेता के दखल एवं कब्जे
में है व चला आ रहा है. इसपर
किसी प्रकार का ऋण भार नहीं है.
यह हर तरह से पाक व साफ है

चुंकि विक्रेता को रकम
का दरकार वास्ते लेने दिगर भूमि
मकान बनाने हेतु खरीद करनी है.
जो वेला बिक्री किए उक्त खाता न०५

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

५

झारखण्ड JHARKHAND

927042

खाता	प्लौट	रकबा	चौहद्दी
२६८	२६५८	०.००½	उ०-क्रेताका निज मकान
दो सौ	दो हजार	आधा	द०-रत्नसाव पो०
अड़सठ	छः सौ	डिसमील	का मकान
	अनठावन		पू०- रोड
	(दुसरा टुकड़ा)		प०- मोहन मिस्त्री

१ टुकड़ा का टोटल रकबा ०.०१ एक डिसमील जमीन बिक्री करते हैं।

सालाना मालगुजारी ५०/- पच्चास पैसा।

नाम मालीक झारखण्ड सरकार वजरीय अंचल कार्यालय मोकाम मेदिनीनगर।

विदित हो कि उपरोक्त खाता संख्या ५ पाँच में वर्णित सम्पति विक्रेता के रैयती सम्पति है वो भी अपर न्यायाधिश नं० २ डालटनगंज पलामू

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

927040

झारखण्ड JHARKHAND

जमीन का मूल्य:- मो० १५९५००।
एक लाख उनसठ हजार पाँच सौ।

पक्का मकान का मूल्य:- मो० १२४२००।
एक लाख चौबीस हजार पाँच सौ।

कच्चा मकान का मूल्य:- मो० ६५२००।
पैसठ हजार पाँच सौ रुपये।

पक्का मकान ८०० × १५५'४" = १२४२००।
कच्चा मकान ४५० × १४५ = ६५२००।

१२ सम्पत्ति:- मवाजी ०.०१ एक डीसमील
जमीन राड आवासीय जिसमें १५५'४"
एक सौ पचपन और चार इंच में बना
पक्का ढलईया मकान कुल लवाजमात एवं
१४५ एक सौ पैंतालीस वर्गफीट में बना
कच्चा खपडैल मकान कुल लवाजमात
के साथ बाके मौजा रेड़मा पुराना
इनकम टैक्स रोड वार्ड न० २६ थाना
मेदिनीनगर जिला पलामू हकीकत

001474

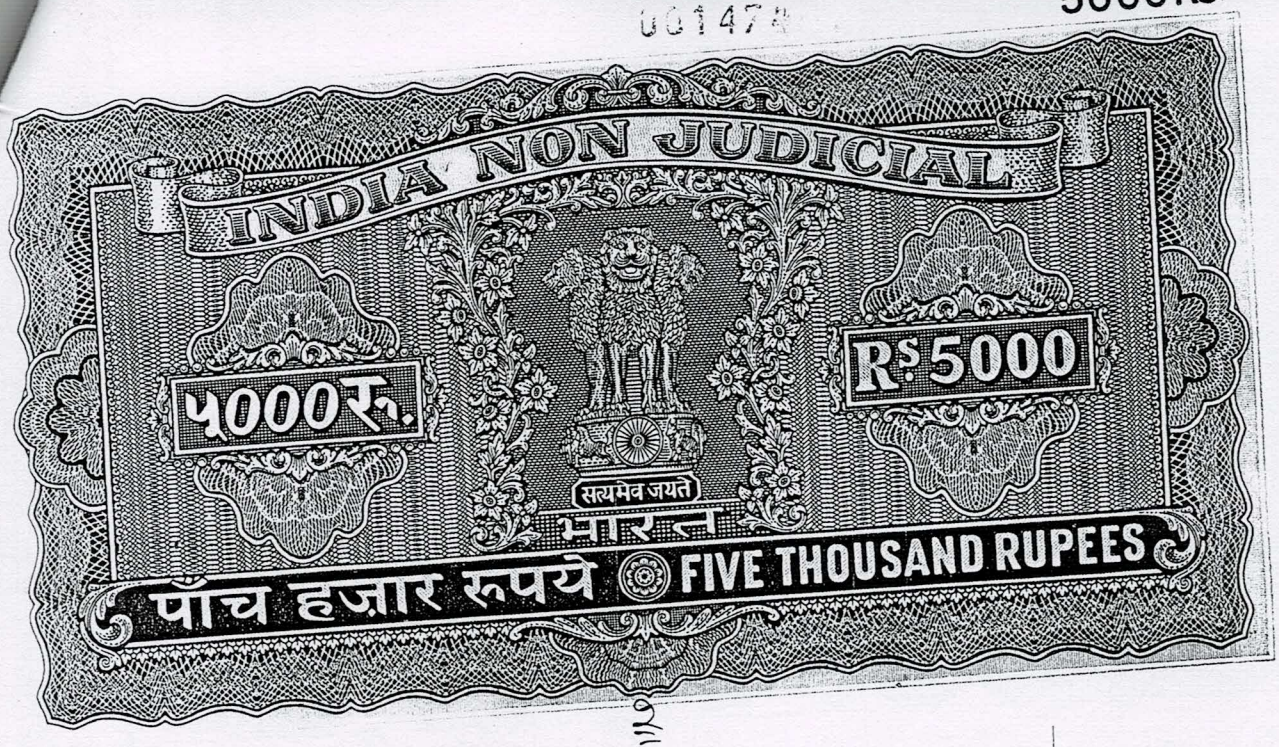

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

२ क्रेता का नाम एवं पुरा पता !-

१ श्री सुनील तिवारी } पिता का नाम
२ श्री अनुज तिवारी } स्वर्गीय -
रामधनी तिवारी जाति ब्राहमण
निवासी ग्राम रेड़मा पोस्ट वो थाना
मेदिनीनगर प्रगने वो जिला पलामूं
पेसा खेती राष्ट्रीयता भारतीय।
शपथ पत्र संख्या २१२, २१३
दिनांक !- २५-५-२०११ ई०

३ लेख्य प्रकार !- केवाला बयला कलामी
Saledeed

४ विक्रय मूल्य !- मो० ३५०००१/-
तीन लाख पचास हजार रुपये
बाजार मूल्य !- मो० ३५०००१/- तीन
लाख पचास हजार रुपये।

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

10500-

2.80

10503.55

१ विक्रेता का नाम एवं पूरा पता

श्री गनेश साव वल्द स्वर्गीय दुर्योधन साव जाति वैश्य तेली निवासी ग्राम रेड़मा पुराना इनकम टैक्स रोड पोस्ट व थाना मेदिनीनगर जिला पलामू वार्ड न० २६ पेशा व्यापार राष्ट्रीयता भारतीय - शपथ पत्र संख्या २११ दिनांक - २२-५-२०११ ई०

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

सत्यमेव जयते

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

927041

झारखण्ड JHARKHAND

रैयती खास हिस्सा में प्राप्त जिसका विवरण निचे लिखे अनुसार है. सब वो जिला निबंधन कार्यालय मेदिनीनगर जिला पलामू बमौजिब चौहद्दी के उक्त सम्पत्ति बिक्री करते हैं जो नगर पालिका सिमा क्षेत्र के अंदर है।

मौजा	थाना	तौजी	खेवट	वार्ड नं
रेड़मा	१२२	५८३	१	२६ आवासीय

खाता	प्लॉट	रकबा	चौहद्दी :-
२६९	२६५९	०.००१/२	उ० ब्रिजनन्दन साव का मकान
दो सौ	दो हजार	आधा	द० क्रेतागण का निज मकान
उनहत्तर	छः सौ	डिसमील	पू० रोड
	उनसठ		प० मोहनमिस्त्री

(पहला टुकड़ा)

थाना नं. 188 थाना मेदनीनगर

10 Rs.

दस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

१०रु. TEN RUPEES 10Rs.

कातिब: रौशन कुमार तिवारी, डालटनगंज

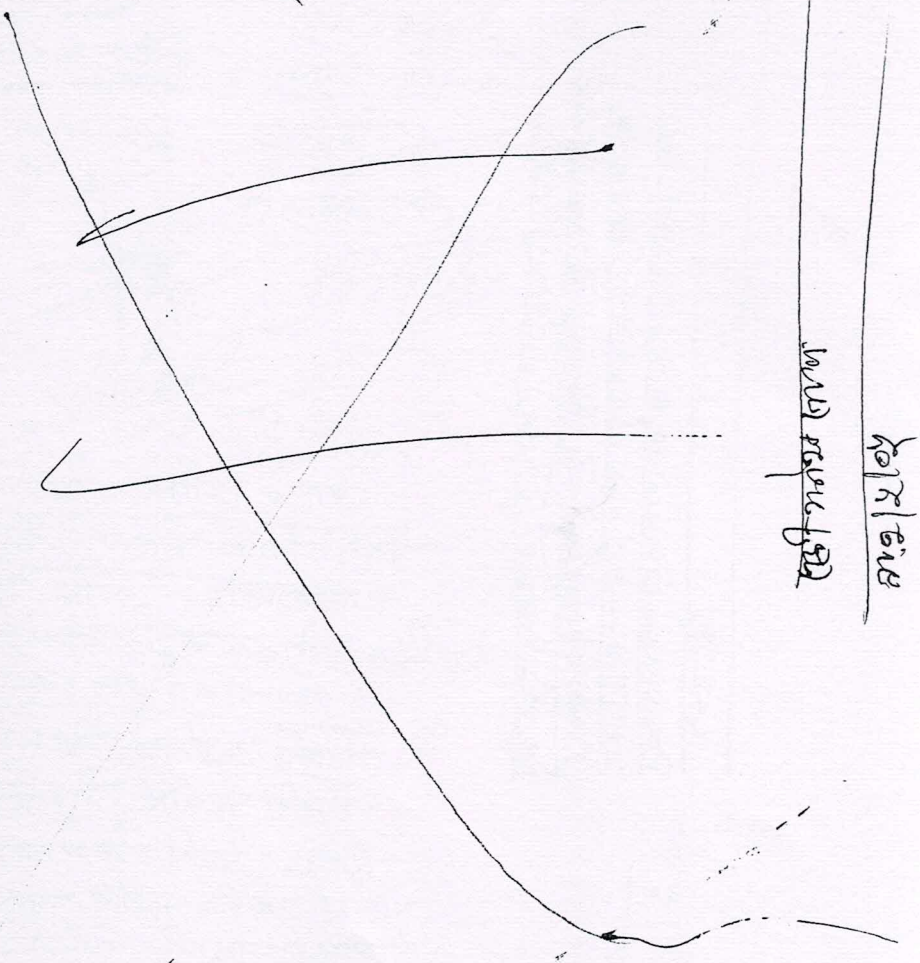

तारीख: 07/[illegible]/05

अनु. संख्या - १०/०३

नोट: मूल दस्तावेज और द्वितीय-प्रति के पृष्ठ संख्या दो में दूसरा लाईन में ओवर राइटिंग कर ३७७०० और तीसरा लाईन में तीन लाख सैंतीस हजार लिखा हुआ है जहाँ विक्रेता का सही दर्ज है।

६

004363 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

इस वक्त मुझे रुपये का सख्त जरूरी वास्ते अदा करने कर्जा-सूदी वो चंद जरूरयात के है जो बिना बिक्रि किये सम्पति के, रुपये का इन्तजाम होना मुश्किल है इसलिए मैं बिक्रि का पैगाम चंद आदमियों से किया। अंत मैं क्रेतागण मेरे सभी बातों पर तथा विश्वास कर मुबलिग ३५०००) साढ़े तीन लाख रुपये देने को तैयार हुए जो मुल्य लिहाज जमाना के वाजीब वो काफी है।

इसलिए मैं वही सम्पति खाता पांच खतियान खाता को कुल वही अपना तमाम हक वो हैसियत को ब-मुबलिग मोबलिग ३५०००) साढ़े तीन लाख रुपये मैं ब-नाम वो ब-हक क्रेतागण खाना ७. वो खतियान खाता के साथ बेचा वो निर्विवाद विक्रय-पत्र (केवला) लिखा वो आज से बजाए अपने कायम वो काबिज-दाखिल करा दाना।

चाहिए कि खरिददार मौसूफान इकमय वालीशान कायम वो कायमयाम एक-वा-दीगर सम्पति पर कायम वो काबिज-दाखिल रहकर मकान को बढ़ावे या पुनर्निर्माण करें वो खाली जमीन को जैसे भी चाहें भोग करें, उस पर मकान बनावें, बाग लगावें वो मुतल्ला मकान के उपर बहुमंजली मकान बनावें या उसके उपरी हिस्सा जैसे चाहे भोग करें, हरेक तरह का आमदनी वो पैदावार अपने-२

१०/५/७८

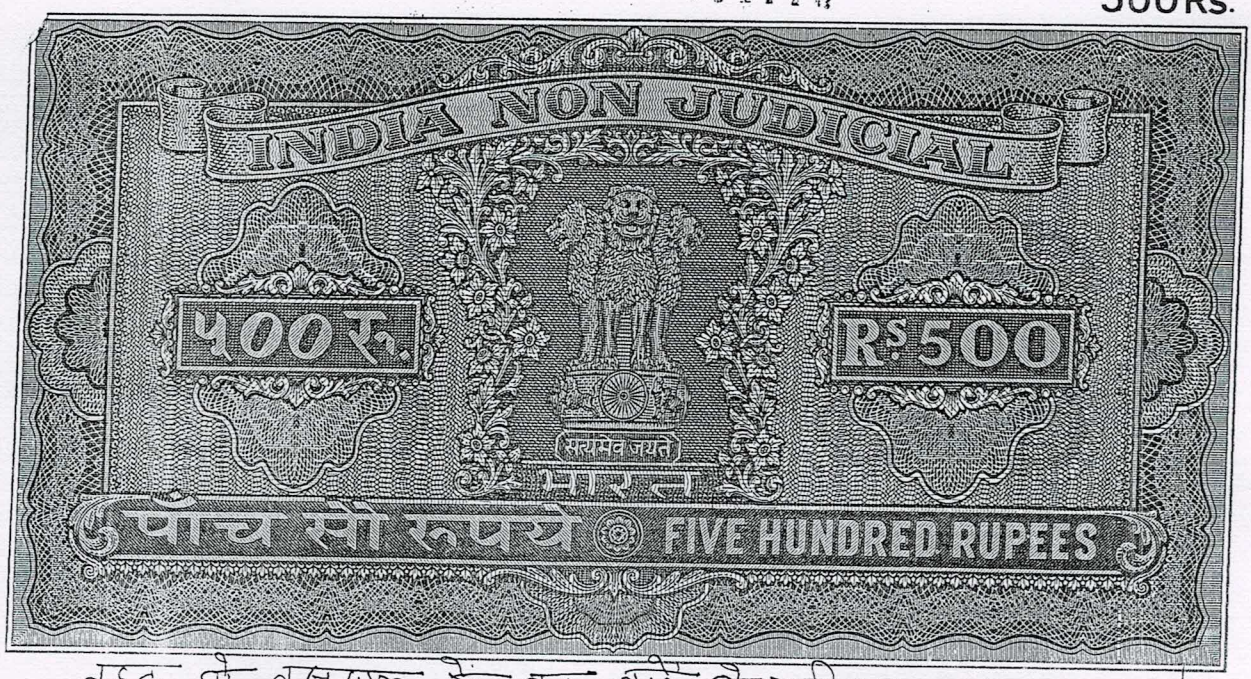

004770 500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

तहद वो तसर्रुफ में दर लावे वो भांति आज तक
जो हक वो हकियत मुझे हासिल था वसीयत के
जमीन पर वा अपने हिस्से की मौरूसी जमीन व
मकान पर था या आईन्दा हासिल होता सो
सब कुल वही हक वो हकियत आज से
खरिददार मौसूफान को हासिल हुआ वो आईन्दा
हासिल होगा वो सम्पत्ति रवाना पोय वसीका हाजा
से मुझे या मेरे वारिसान को कोई वास्ता
वो सरोकार नहीं रहा तथा आज से मैं
हमेशा के लिए बाज आ गया।

खरीददार जन को मैं यह भी इत्मिनान
दिलाया वो दिलाता हूँ कि सम्पत्ति हर तरह से
पाक-वो-साफ है किसी तरह का नुक्स वो
ऐब नहीं है अगर आईन्दा साबित हुआ तो
इसकी हर पाबन्दी मूल्य की मैं वारिसान पर
है वो होगा तथा ऐसे हालात में साथ हर्जा
वो खर्च के देनदार होंगे।

खरिददार ब-सिरिश्ते मालिक अपना-2
नाम दर्ज कागजात मालगुजारी किया करें वो
तबादला बदलेन फरीकैन के अमल में आया
मूल्य का कुल रुपये नकद एकमुश्त वसूल पाये
जिसमें खरिददार एक पैसा भी बाकी न रहा।

क्र. 004362 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

जमीन और मकान को मेरे नाम से वसीयत
कर दिये जिसका तारीख १७|४|१९७० ई०
सतरह अप्रैल सन् उन्नीस सौ सत्तर है। मौजा
साव सन १९७२ ई० में इन्तकाल कर गये उसके
बाद मैं वसीयत के मिला हुआ जायदाद पर काबिज-
दाखिल हुए और काबिज-दाखिल रहकर मैंने जिला
जज के यहां L.A (Letter of Administration)
के लिए आवेदन किया जिसका L.A Case No. 1/96
T.S 1/97
है जिसका निष्पादन १३|६|२००२ को प्रथम
अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश मोकाम डालटनगंज
पलामू के यहां मेरे हक में फैसला हुआ। इस
फैसले के विरुद्ध विपक्षी मुकालय रामनन्दन साव वगै.
ने झारखंड उच्च न्यायालय में अपील किया जिसका
अपील न. ११३ सन् २००२ है इस अपील को भी
झारखंड उच्च न्यायालय ने अपील को खारिज कर
दिया। इस तरह से निर्विवाद रूप से वसीयत की
कब्जा मेरा है। अलावे मौरूसी जायदाद वसीयत
के बाद भी उसमें जो हक व हिस्सा मेरा है
सो वो वसीयत के जमीन-मकान को मिलाकर
उसमें से सम्पति वाला पांच की जमीन-मकान
शामिल है जो बिक्री सम्पति उसी के अन्तर्गत है।

८

50 Rs.

इसलिए मैंने स्वेच्छा से मन की
शरीर की सही स्वस्था में बिना किसी के
दबाव या बहकावे में आये यह निर्विवाद
विक्रय-पत्र (बैनामा) लिख दिया कि समय
पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

आज तारीख: 02/5/2005 ईस्वी

दो मई सन् दो हजार पांच ईस्वी

यह प्रमाणित किया जाता है कि
मूल-दस्तावेज और द्वितीय-प्रति एक-दूसरे
की सच्ची-प्रतिलिपि है

कातिब: रोशन कुमार तिवारी, डाल्टनगंज
वसीका हाजा लिखा वो पढ़कर
बायैकैन को सुना समझा दिया

अनुज्ञप्ति संख्या - 10/02

तारीख: 02/5/2005 ईस्वी